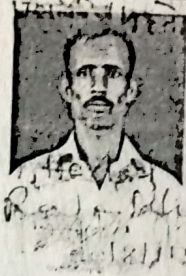
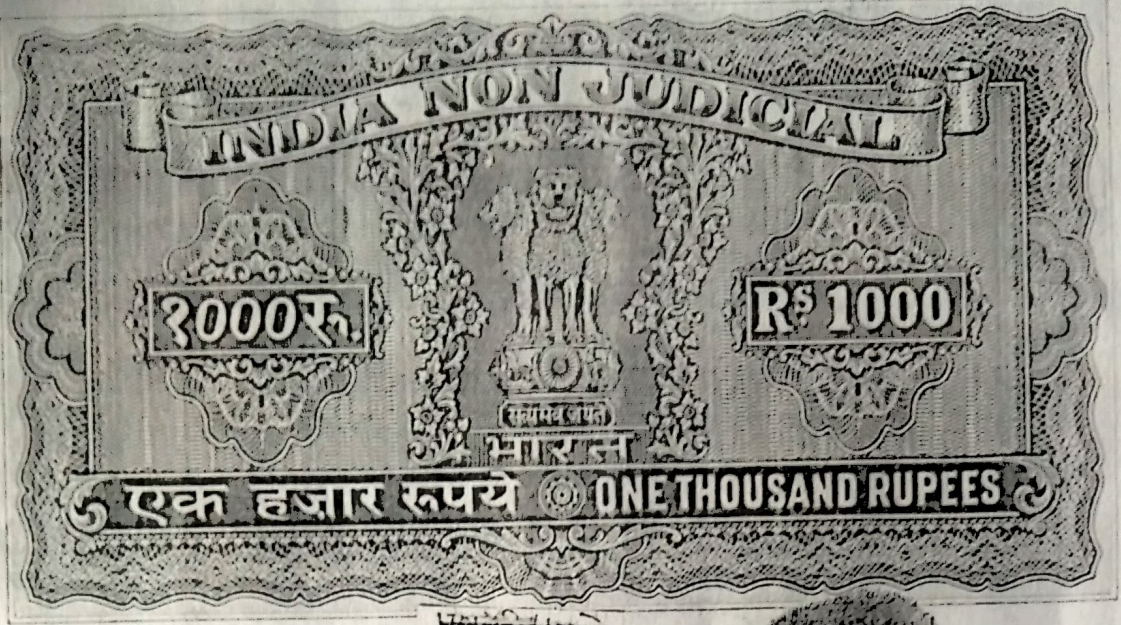


876

867 1000Rs.



राजकीय
20/8/2010

स्वयं २२ का आदेश एवं अधिनियम
सहायकारी अधिनियम 1908 की धारा
46 F. 1020 के अन्तर्गत
मन्त्र: भारतीय स्टाम्प प्रोविजियंस
यूनिवर्सल स्टाम्प एक्ट) 1899 की अनुसूची
1 का 1 क संख्या 23 F. A... के
अधीन यथावत स्टाम्प
द्वारा (यस स्टाम्प शुल्क स विम. वर
4 अन्तर्गत धारण एवं प्रेषित नहीं।)

20-8-10
20-8-10

१। लेख्यकारी :- श्री महावीर महतो पिता स्व० बुढिया महतो
जाति कुम्हार पेशा होती बारी निवास गांव गोतरा कुम्हार टोली
धाना सिमडेगा जिला सिमडेगा - - - - - विदेहा ।
शपथ-पत्र संख्या - - - - - 609 - - - - - / 2010

पहचान
श्री. 20.8.10
पहचान कर संख्या
श्री. 20.8.10
पहचान कर संख्या
श्री. 20.8.10
पहचान कर संख्या
श्री. 20.8.10

357/10

000950/10

Sold no 321 dt 17-8-10



कमलि सुखराइत डी
 सब परि...
 वा...
 मि...
 वा...
 क...
 4,800/-
 17/8/10
 जिला न्यायालय
 सिमडेगा

1000 x 4 = 4000
 500 x 1 = 500
 100 x 3 = 300
 कुल 4800



मेटाल् मटेरि
20/8/2010



20-8-10 10 to 1
 प्रमाण के अन्तर् निबन्धन कार्यालय
 सिमडेगा में लेखकारी वा लिखकारी
 या उनके मुख्तार को सन...
 नि...
 प्रमाण...
 निबन्धन द्वारा प्रमाणित है।
 श्री / श्रीमती सुखराइत डी
 निवास / स्थान स्व. वीरम मुखता
 जिला सिमडेगा जिला सिमडेगा
 तहसील गुमरुतली तहसील सिमडेगा
 दिनांक 20-8-10



M64
20-8-10



-: 2 :-

॥2॥ लेख्यधारीगण :- ॥1॥ श्रीमती सुखमइत देवी पति श्री विनीद
नाग वो ॥2॥ श्री विनोद नाग पिता स्व० लिलचन्द नाग दोनों
जाति तेली पेशा क्रमशः गृहिणी वो नौकरी निवास ग्राम
दुरुण्डु धाना कामंडारा जिला गुमला-हाल मोकाम गोतरा आनन्द
नगर धाना सिमडेगा जिला सिमडेगा - भारतीय नागरिक -प्रेतागण।
शापथ-पत्र संख्या - 610, - 611 - - - - - / 2010

महोदय महो
20/8/2010

॥3॥ लेख्य प्रकार :- विक्रय-पत्र केवाला बैला क्लामी पुत्र-पुत्रादिक
हमेशा के लिए ।

॥4॥ मूल्य :- मोवलिंग एक लाख बीस हजार रुपये अर्के 1,20,000/-
रुपये जिसका आधा मोवलिंग साठ हजार रुपये अर्के 60,000/- रुपये
होता है ।

॥5॥ सम्पति :- सरागियात 0.10 एकड़ ॥ दस डिंसमिल ॥ जमीन
हकियत रैयती मय दखाली खातियानी वाके मौजा गोतरा आनन्द नगर
धाना नं० 80 धाना सिमडेगा सदर रजिस्ट्री ऑफिस वो जिला सिमडेगा
के अन्दर खाता नं० 268 ॥ दो सौ अरसठ ॥ प्लाट नं० 2689 ॥
छब्बीस सौ नवासी ॥ रकबा 0.83 एकड़ में से 0.10 एकड़ ॥ दस

गवाह -
नरेय महोदय पिता - श्री गणेश महो
गाण - गोतरा सिमडेगा धर - सिमडेगा
जिला - सिमडेगा
20-8-10



-: 3 :-

डिस्ट्रिक्ट ४ जमीन टांडू जिल्लकी चौहददी :-

उत्तर :- इसी प्लाट का दूसरा भाग रामचन्द्र महतो वगैरह का टांडू,

दक्षिण :- इसी प्लाट का दूसरा भाग नरेश महतो वगैरह का टांडू,

पूरब :- इसी प्लाट का अंश नीज विक्रेता का टांडू,

पश्चिम :- इसी प्लाट के अंश 9 फीट का छोड़ा गया रास्ता कच्ची ।

कुल एक छाता का एक प्लाट का टुकड़ा रकबा 0.10 एकड़ सिर्फ
जिल्लका मालगुजारी सालाने 05 पैसे अलावे शोषा । वर्णित विक्रीत
जमीन टांडू आवासीय है जिल्ल पर मकान अथवा किसी अन्य प्रकार का
निर्माण नहीं है ।

४।४ चूंकि मेरी पुत्री की शादी में हुए कर्ज को चुकाने
वास्ते रुपये की अति आवश्यकता है इसलिए मैंने वर्णित जमीन का कुल
मुल्य मो० 1,20,000/- रुपये नगद भुगतान पाकर उपर्युक्त लेख्यधारी
गण के पास रैयती बेचा और अपनी इच्छा से शरीर वो मन की
स्वस्थता में रह कर यह विक्रय-पत्र केवाला बैला कलामी दस्तावेज
लिखा दिया कि प्रमाण रहे ।

२२/११/२०१०
०१/११/२०१०

मो० १२००००/- रुपये नगद भुगतान पाकर उपर्युक्त लेख्यधारी गण के पास रैयती बेचा और अपनी इच्छा से शरीर वो मन की स्वस्थता में रह कर यह विक्रय-पत्र केवाला बैला कलामी दस्तावेज लिखा दिया कि प्रमाण रहे ।



-: 4 :-

§2§ मैं, प्रतिज्ञा करता हूँ कि वर्णित विक्रीत जमीन मेरी पुस्तैनी खातियानी है जो मेरे दादा हरखा कुम्हार के नाम सर्वे खातियान में नाम दर्ज है उनके मृत्योपूरान्त मेरे पिता ने अन्य दीगर जमीनों के साथ वर्णित जमीन को उत्तराधिकार में हासिल किया और विक्रीत जमीन मेरे पिता के हिस्से में आयी पिता के मरने के बाद उनकी सारी चल-अचल सम्पत्ति के साथ वर्णित जमीन को उत्तराधिकारी के हैसियत से प्राप्त किया और उस पर मेरा निर्विवाद रूप से दखालकार वो कब्जेवार हूँ। जमीन पर किसी प्रकार का झगड़ा झंझट या भार नहीं है। अब से उस पर सारा हक वो दखाल कब्जा लेख्यधारी को हस्तान्तरित कर दिया अब से उस पर मेरा किसी प्रकार का दखाल कब्जा वो हक अधिकार नहीं रहा न रहेगा और न भविष्य में मेरे किसी उत्तराधिकारी या स्थानापन्न का।

मेरा हस्ताक्षर
20/8/2010

§3§ चाहिए कि लेख्यधारीगण अपनी खारीदगी जमीन पर काबिज वो दखालकार होकर वो रह कर मकान सहन, कुआं बारी



-: 5 :-

आदि बनावें वो जैसा मनु चाहें अपने उपयोग में लावें वजरिये
झारखण्ड सरकार के जमींदारी सिरिस्ते अंचल कार्यालय सिमडेगा
से तारीखा लेख्य से दाखिल खारीज करा कर मालगुजारी की रसीद
खास नाम से हासिल करें ।

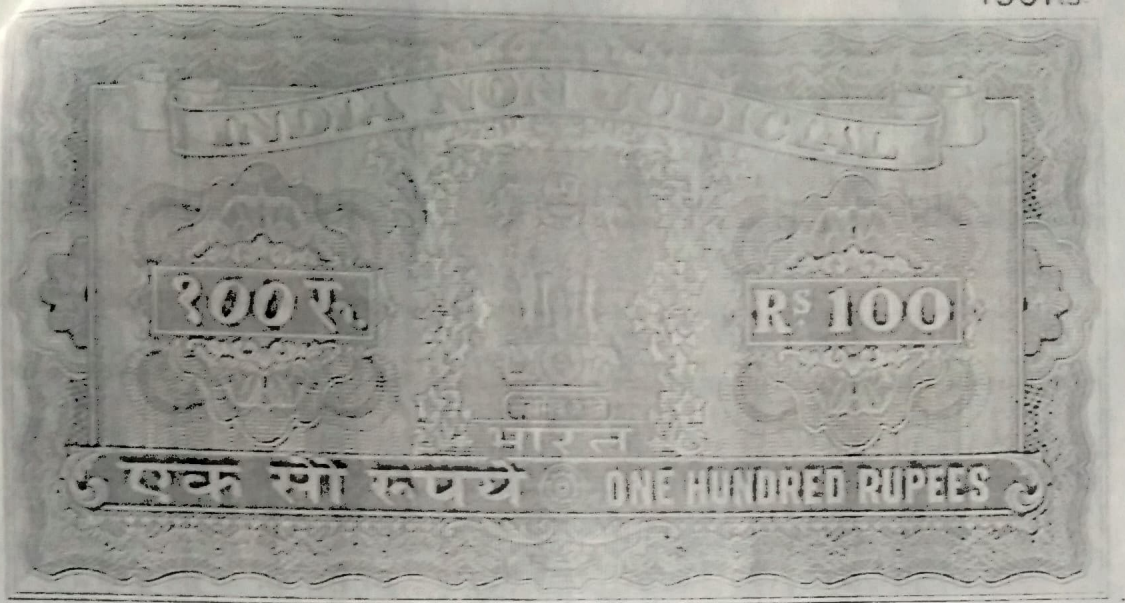
महोदय सर
20/8/2010

लेख्यकारी के कहे अनुसार इस विक्रय-पत्र केवाला दस्तावेज
का प्रारूप तैयार कर दोनों पक्षाओं को उनके गवाहों के सामने पढ़ कर
सुना वो समझा दिया जिसे स्वीकार किये ।

प्रारूप कर्ता,

Ravindra Singh
-Adv.

तारीखा - 20/8/10



-:

मैं, लेखक/कारी यह घोषणा करता हूँ कि वर्णित विप्रीत कमीन तिलिग के अन्तर्गत नहीं आता है।

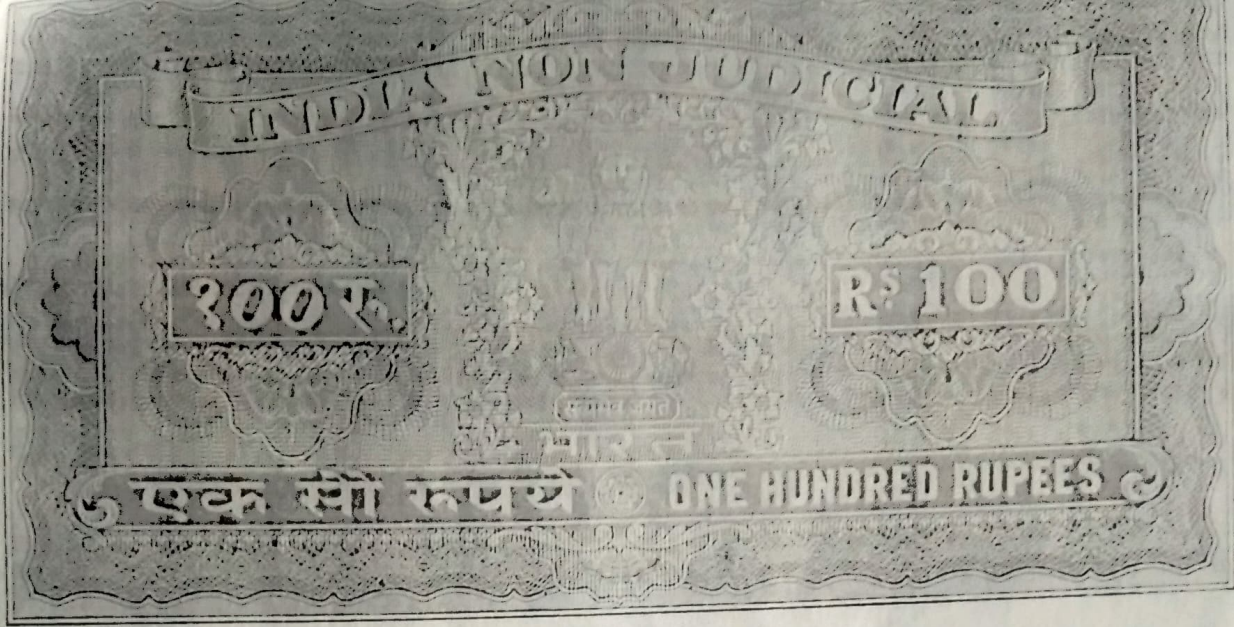
तारी - भदोना मेरा
20/8/2010

21/8/2010
20/8/2010



प्रमाणित किया जाता है कि महार पक्षो का आदां दाम का पांचो अंगुलिपों का आदां देर सादरे लिखा गया है।

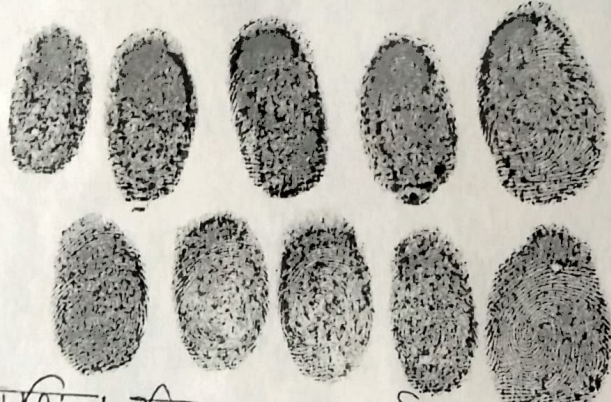
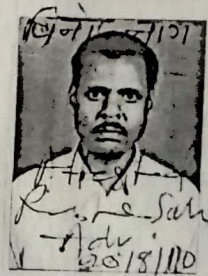
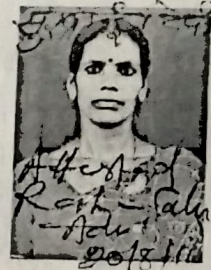
रौद्रव लोडु
अधिकार
20/8/10



-: 7 :-

हम लेख्यधारिता यह घोषणा करते हैं कि पूर्व धारित
 वो डारिदगी के बाद कुल धारित जमीन तिलिग सीमा के अन्तर्गत
 नहीं आता है ।

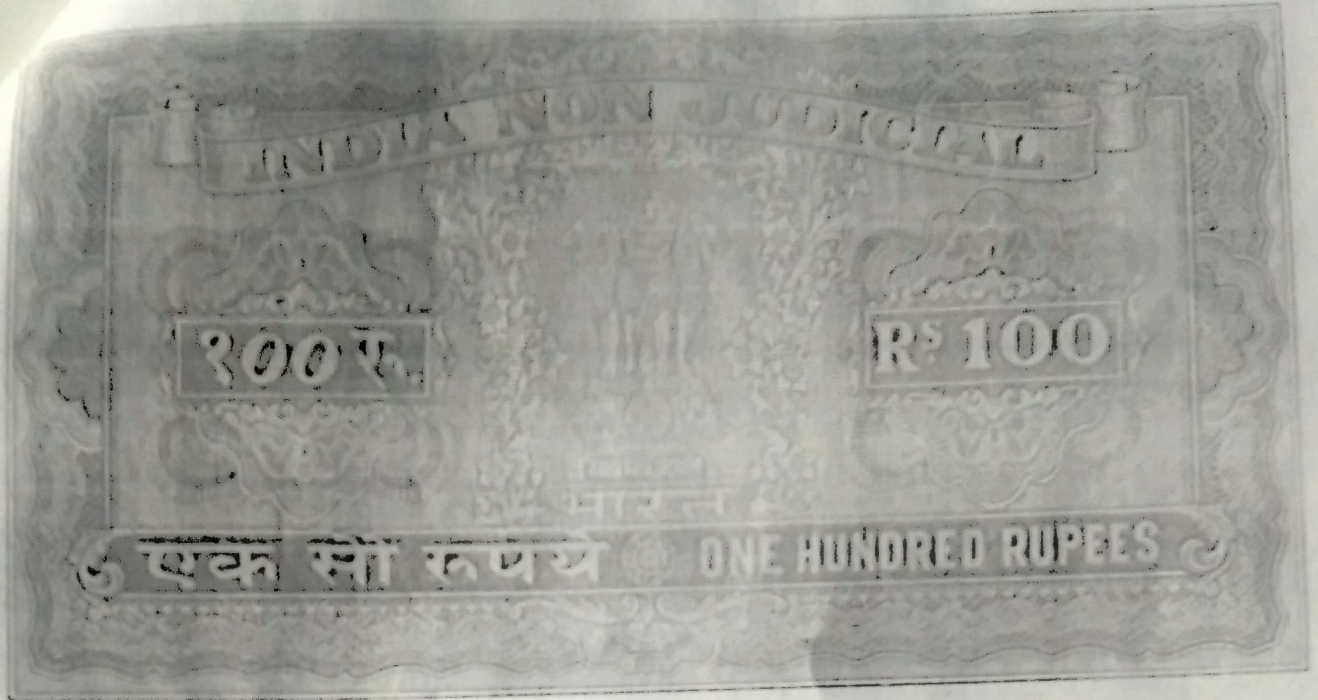
सही - सुरवमईत देवा 20/8/10
 विनोद नाग 20/8/10



पुनर्गठित किया जाता है कि सुरवमईत देवा
 वो विनोद नाग के बापे दादो के पांचो
 अंगुलियो के धाप मे लोपे लिपे
 लोपे है ।

राधेश्वर लोडु
 अधिवक्ता
 20/8/10

20/8/2010
 सुरवमईत देवा



--: 8 :-

प्रमाणित किया जाता है कि इस दस्तावेज के कुल
 8 पृष्ठों में कुल 513 शब्द टंकित हैं जो बाण इन रहित वो नक्शा
 सहित है ।

टंक -

₹0/-

नारायण दास
 20/8/10

॥ नारायण दास ॥

कचहरी परिसर, सिमडेगा ।

20/8/2010
 20/8/2010